<u>पत्र सूचना शाखा</u>

<u>सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0</u>

<u>राज्यपाल ने वेबसाइट का लोकार्पण किया</u>

लखनऊः 10 सितम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज राजभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में शारीरिक रूप से निशक्तजनों द्वारा निशक्त बन्धुओं के चतुर्दिक कल्याण हेतु समर्पित संस्था 'विकलांग साथी ट्रस्ट' की वेबसाइट का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री विष्णुकान्त मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने वेबसाइट के लोकार्पण कार्यक्रम में कहा कि आज के युग में वेबसाइट एक क्रांतिकारी कदम है। वेबसाइट के माध्यम से सहजता से अधिकृत जानकारी मिल सकती है। मोबाइल फोन के माध्यम से जैसे दुनिया में कहीं भी सम्पर्क किया जा सकता है, वेबसाइट भी उसी प्रगति का हिस्सा है। उन्होंने सुझाव दिया कि वेबसाइट का हिन्दी रूपान्तरण भी हो, जिससे ज्यादा से ज्यादा विकलांग भाई-बहन लाभान्वित हो सके।

श्री नाईक ने कहा कि विकलांगता कभी जन्मजात होती है तो कभी दुर्घटनावश भी मनुष्य विकलांग हो जाता है। मन की ताकत और इच्छा शक्ति से मनुष्य विकलांगता पर विजय प्राप्त कर सकता है। प्रगति करने के लिये ऐसे लोगों में आत्मविश्वास पैदा करके स्वावलम्बी बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विज्ञान के इस दौर में अनेक ऐसे सहायता उपकरण बनाये गये हैं, जो विकलांगजनों के लिये सहायक हो सकते हैं।

राज्यपाल ने ट्रस्ट के पदाधिकारियों से कहा कि यदि उनके अनुभव के आधार पर सरकार द्वारा दी जानी वाली सुविधाओं में कोई परिवर्तन होना चाहिये तो उसके लिये वे प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री से भी वार्ता करेंगे। परिस्थितियों में बदलाव के साथ कानून में भी बदलाव होना चाहिये। उन्होंने विकलांगों की मांगों पर विचार करने का आश्वासन भी दिया।

राज्यपाल ने स्वयं द्वारा कुष्ठ पीड़ितों के पुर्नवास के लिये संसद में दी गई याचिका के बारे में बताते हुए कहा कि 17 ऐसे कानून है जिनमें बदलाव की जरूरत है।

अंजुम/रा0/राजभवन-